आँख आना

आँखो का आना के मायने

आँख आना अथवा आँखे गुलाबी लाल यह लक्षण पलकों के आंतरिक हिस्से मे होकर दर्द सा होता है । यह पलको के भीतर एवं अंतरिक कवच के बीच आँखो की पलको के पिछले हिस्से का आवरण होता है ।

कारण:

- जीवाणू, एलर्जी अथवा विषाणू
- घास वनस्पती से ग्रस्त
- जानवर की त्वचा अथवा आंतरिक लार
- सुगंधित द्रव्य
- सौंदर्य प्रसाधन
- त्वचा रोग की दवाऐं
- वायू प्रदूषण
- धूल

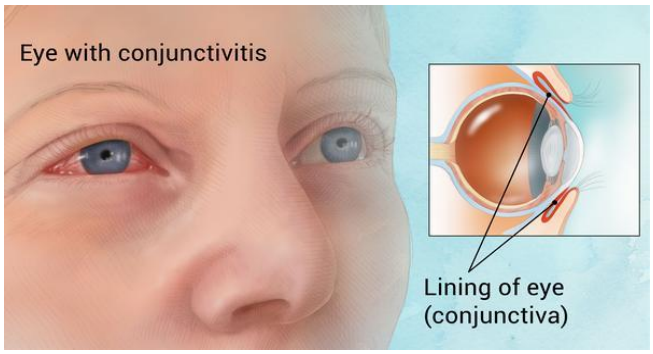

रोग के लक्षण :

- नेत्रोंका श्वेतपटल लाल होना
- नेत्रों के इर्द गिर्द खुजली होना
- आँखो मे कुछ ठोस पदार्थ गया ऐसा मेहसूस होना
- आँखोसे पानी अथवा द्रव्य निकलना
- सुबह उठते ही पलके चिपकी होना
- आँखो मे जलन होना
- जख्म अथवा सूजन होना
- आँखो मे दर्द होना

रोग का ईलाज:-

- नेत्र परिक्षण के पश्चात ही जानकारी मिल सकती है ।

रोग का उपचार-

- एलर्जी संबंधी दवाईयाँ देनेपर खुजली , लालपन , सूजन कम होती है ।यह दवाऐं गोलियॉ, आँख की दवा की बूँदे , नाक मे डालनेवाली बूंद रुपी स्प्रे दवाऐं के रुप मे दी जा सकती है । आँख मे डालनेवाली मलम भी एक उपचार हो सकता है ।
- जीवाणू के कारण चलते रोग मे प्रतिजैविक दिए जाते है । यह भी आँख की बूंदे मलम गोलियाँ के रुप मे होती है ।
- दर्द निवारक स्टेरॉईड क्षमता की दवाऐं दर्द कम करने के लिए दी जाती है ।

रुग्ण समुपदेशन-

- स्वच्छ कपडोंको ठंडा कर आँखों पर रखे
- कॉन्टॅक्ट लेन्स न वापरे
- आँखों को स्वच्छ धोये
- तकलीफजनक बांतोंको टाले
- हाथ साबुन से अच्छे से धोये
- आँखे लाल होने पर पढाई न करे बिना गॉगल पहने बाहर ना जाए

<u>आँखो के रोग के विषाणुओं का संक्रमण रोकने हेतु उपाय</u>

क्या करे	क्या ना करे
✓ हाथ नियमित साबुन से एवं मिश्रीत गर्म पानी से धोये । ✓ मुखमंडल हेतु वापरे जाने वाले कपडे तकिया कव्हर आदी सर्फ एवं गर्म पानी मे धोने चाहिए ।	✓ आँख ठीक होने तक कॉन्टॅक्टलेन्स का उपयोग ना करे । ✓ स्वतः का रुमाल, टॉवेल अन्यों को ना वापरने दे । ✓ आँखों को बार बार ना धोए ।

Reference: Micromedex's Care Notes System Online 2.0